

No. of Printed Pages : 8

BPY-005

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

June, 2022

BPY-005 : INDIAN PHILOSOPHY PART II

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : (i) *Answer all the **five** questions.*

(ii) *All questions carry equal marks.*

(iii) *Answers to Question Nos. 1 and 2
should be in about **400** words each.*

1. Explain the epistemology of Nyaya Philosophy.

20

Or

Discuss the salient features of the Philosophy of
Amartya Sen.

P. T. O.

2. What do you mean by Ashrams ? Examine the importance of Christian Ashram Movement. 20

Or

“Brahman Satya Jagat Mithya Jivo Brahmaiva na parah.” Elucidate this Advaitic statement.20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each : 10 each

- (a) Analyse briefly the epistemology of Dvaita Philosophy.
- (b) Give an account of the origin, nature, characteristics and factors that helped the development of Bhakti Movement.
- (c) What are the important tenets of the philosophy of Gandhi ? Explain.
- (d) Briefly explain the Pramanas recognised by Mimansa.

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each : 5 each

- (a) What are the modifications of Ācitta ?
- (b) What do you mean by Satkaryavada ?
- (c) Write a short note on Brahma Samaj and its importance.
- (d) Explain briefly the ethical implications and philosophical foundations of Bhakti Movement.
- (e) Describe the concept and means of liberation according to Viśiṣṭādvaita.
- (f) Discuss the important features of the Philosophy of Nehru in brief.

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each : 4 each

- (a) Right to Equality

- (b) Social Philosophy of Ambedkar
- (c) Aims and characteristics of Vedanta
- (d) Suddhadvaita of Vallabha
- (e) Sufism in India
- (f) Faith and Principles of Arya Samaj
- (g) Non-existence/Abhava
- (h) Yama

BPY-005

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

बी.पी.वाई.-005 : भारतीय दर्शन भाग—II

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर
लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. न्याय दर्शन की ज्ञानमीमांसा की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

अमर्त्य सेन के दर्शन की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा
कीजिए।

2. आश्रम से आपका क्या तात्पर्य है ? इसाई आश्रम आन्दोलन के महत्व की परीक्षा कीजिए। 20

अथवा

‘ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या जीवो ब्रम्हैव ना परः’ इस अद्वैत दर्शन के कथन की विवेचना कीजिए।

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) द्वैत दर्शन की ज्ञानमीमांसा का संक्षेप में विश्लेषण कीजिए।

(ख) भक्ति आन्दोलन की उत्पत्ति, प्रकृति, विशेषताओं और उसके विकास में सहायक कारकों का विवरण दीजिए।

(ग) गांधी दर्शन की महत्वपूर्ण विशेषताएँ क्या हैं ? व्याख्या कीजिए।

(घ) मीमांसा दर्शन के स्वीकृत प्रमाणों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) चित्त के विकार क्या हैं ?

(ख) सत्कार्यवाद से क्या तात्पर्य है ?

(ग) ब्रह्म समाज और उसके महत्व पर टिप्पणी लिखिए।

(घ) भक्ति आन्दोलन के नैतिक निहितार्थों और दार्शनिक आधारों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

(ङ) विशिष्टाद्वैत के अनुसार मोक्ष के विचार और साधनों का वर्णन कीजिए।

(च) नेहरू के दर्शन की मुख्य विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

5. किन्हीं पाँच (प्रत्येक) पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) समानता का अधिकार

(ख) अम्बेडकर का सामाजिक दर्शन

(ग) वेदान्त का उद्देश्य एवं लक्षण

(घ) वल्लभ का शुद्धद्वैत

(ङ) भारत में सूफीवाद

(च) आर्य समाज की आस्था और सिद्धान्त

(छ) अभाव

(ज) यम